Regarding need to enhance honorarium of Anganwadi workers and improve facilities in Anganwadi Kendras in Uttar Pradesh-Laid

श्री नारायणदास अहिरवार **(**जालौन**) :** भारत में आंगनबाड़ी केंद्र मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और पोषण का एक महत्वपूर्ण आधार हैं । यहां कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और आशा बहुएं गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की देखभाल में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं । इनके कार्य केवल कुछ घंटों तक सीमित नहीं होते, बल्कि ये महिलाएं दिन में 10 घंटे से अधिक कार्य करती है । कोरोना महामारी के दौरान, इन कर्मियों ने फ्रंटलाइन वर्कर्स की तरह कार्य किया, परंतु उनके समर्पण के बावजूद उन्हें केवल मामूली सा मानदेय सरकार द्वारा दिया जाता है । आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ₹8,000 तथा सहायिकाओं को ₹6,000/- मानदेय दिया जाता है जो कि बहुत ही कम है । इसमें परिवार का पालन-पोषण करने में उन्हें कठिनाई हो रही है ।

मेरे संसदीय क्षेत्र जालौन के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति अत्यंत दयनीय है । यहां स्वच्छ पेयजल, शौचालय, उचित वेंटिलेशन, और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता बहुत ही प्रभावित हो रही है । आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के कार्य को ध्यान में रखकर इनको सरकारी कर्मचारी का दर्जा के साथ सभी सरकारी सुविधाएं प्रदान की जाएं । उनके मानदेय में वृद्धि की जाए और आंगनबाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाए, जिससे वे सुचारू रूप से कार्य कर सकें ।